पाठ-योजना

अध्यापिका/अध्यापक :

पुस्तक : उड़ान हिंदी पाठमाला भाग-8

विषय : हिंदी **दिनांक** : .....

उपविषय : चक दे! इंडिया, पाठ-5 **अवधि** : 3-4 वादन

पाठ संख्या	सुनना, बोलना और पढ़ना	चिंतन	लिखना	गतिविधियाँ	जीवन मूल्य तथा पारिवारिक, सामाजिक व राष्ट्रीय चेतना
5.	शुद्ध उच्चारण, प्रश्नोत्तर, घटना सुनना-सुनाना, विचार समझकर बताना, चर्चा।	प्रत्यास्मरण, सही गलत का निर्णय, कारण, तर्क, चिंतनात्मक पठन, संदेश प्रतिक्रिया, उद्देश्य।	समास, खाली स्थान, सर्वनाम छाँटना, मुहावरे का प्रयोग, गद्यांश पर आधारित, अति लघु, लघु तथा निबंधात्मक प्रश्न।	संवाद, हॉकी व ओलंपिक खेल के बारे में जानकारी, खिलाड़ियों का परिचय।	आत्मविश्वास, कठोर परिश्रम, स्वदेश प्रेम, व्यापक सोच।

सामान्य उद्देश्य :

1. छात्रों में शुद्ध वाचन तथा पढ़ने-लिखने के कौशल का विकास करना।
2. अपने विचारों को सही प्रकार से प्रकट करने का ज्ञान व अभ्यास कराना।
3. वर्तनी संबंधी अशुद्धियों को दूर करने का प्रयास करना।
4. छात्रों के शब्द भंडार में वृद्धि करना।
5. प्रश्नों के उत्तर को भली-भाँति लिखने का अभ्यास कराना।

विशिष्ट उद्देश्य :

1. इस पाठ के माध्यम से आत्मविश्वास, व्यापक सोच, अभ्यास, लगन और परिश्रम जैसे अनेक सद्गुणों की सीख देना। तथा हॉकी खेल के कुछ नियमों के बारे में बताना।
2. समास के भेदों का ज्ञान कराना, सर्वनाम शब्दों की जानकारी देना तथा मुहावरे का प्रयोग कराना।

सहायक सामग्री : श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, चार्ट आदि।

पूर्वज्ञान-परीक्षा : अध्यापिका/अध्यापक छात्रों की पूर्वज्ञान परीक्षा लेने के लिए छात्रों से पूछेंगे कि आप अपने देश के लिए क्या करना चाहेंगे? अगर कोई काम आपको मुश्किल लगता है तो उस काम को कैसे पूरा करेंगे? आप अपनी पहचान कैसे बना सकते हैं? आदि।

उद्देश्य-कथन : अध्यापिका/अध्यापक प्रश्नों के उत्तर संतोषजनक या असंतोषजनक पाकर अपने उद्देश्य की घोषणा करेंगे कि बच्चो, आज हम फ़िल्म आधारित लेख 'चक दे! इंडिया' पाठ-5 का अध्ययन करेंगे।

कॉरडोवा सी.डी. (CD) के माध्यम से पाठ को दर्शाएँगे।

शिक्षण-बिंदु : 'चक दे! इंडिया' पाठ-5 के प्रश्नों के उत्तर छात्रों की सहायता लेते हुए कराए जाएँगे।

अध्यापिका/अध्यापक क्रियाएँ	छात्र-क्रियाएँ
प्र.1. कबीर खान को लोगों ने क्या कहा?	उ. कबीर खान को लोगों ने गद्दार कहा।
प्र.2. कबीर खान के लिए गले की हड्डी क्या बन गई?	उ. सब लड़कियों का अपने-अपने प्रांत में सर्वश्रेष्ठ होना कबीर खान के गले की हड्डी बन गई थी।
प्र.3. आहत कबीर खान क्या त्यागने के लिए मजबूर हो गया?	उ. आहत कबीर खान प्रशिक्षक का पद त्यागने के लिए मजबूर हो गया।

पाठ पढ़ाने के पश्चात–

मौखिक : सर्वप्रथम अध्यापिका/अध्यापक कठिन शब्दों का उच्चारण कराएँगे तथा पाठ से संबंधित मौखिक प्रश्न पूछेंगे।

जैसे– प्र. 'चक दे! इंडिया' फ़िल्म के कहानीकार और फ़िल्मकार कौन हैं?

उ. 'चक दे! इंडिया' फ़िल्म के कहानीकार जयदीद सहानी और फ़िल्मकार आदित्य चोपड़ा है।

इसी प्रकार से सभी प्रश्नों को मौखिक रूप में पूछेंगे।

कॉरडोवा सी.डी. (CD) के माध्यम से मूलपाठ सहित पाठ को दर्शाएँगे तथा दर्शाए गए कुछ अंशों को किताब में ढूँढ़ने के लिए कहेंगे।

लिखित : प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लिखित रूप में करवाने से पहले मौखिक रूप में पूछेंगे। तत्पश्चात लिखवाएँगे।

1. समास के भेद उदाहरण सहित समझाएँगे। तत्पश्चात समास के उचित भेद में सही (✓) का निशान लगवाएँगे।
2. शब्दों की सहायता से खाली स्थान भरवाएँगे।
3. वाक्यों में आए सर्वनाम शब्दों को रेखांकित करवाएँगे।
4. मुहावरे के अर्थ का बोध कराएँगे। तत्पश्चात उनका वाक्य में प्रयोग करवाएँगे।
5. **कॉरडोवा सी.डी. (CD)** के माध्यम से संकेत गद्यांश को मूलपाठ सहित दर्शाएँगे। तत्पश्चात प्रश्नों के उचित उत्तर में सही (✓) का निशान लगवाएँगे।
6. **कॉरडोवा सी.डी. (CD)** के माध्यम से प्रश्नों के उत्तर से संबंधित अंशों को दर्शाएँगे। तत्पश्चात अति लघु, लघु तथा निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखवाएँगे।

आओ अब कुछ बात करें : 'हॉकी' खेल से संबंधित विषय पर छात्रों के द्वारा संवाद कराएँगे।

परियोजना निर्माण : ध्यानचंद्र के जीवन परिचय ज्ञात करने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे तथा 2007 में भारतीय हॉकी टीम की उपलब्धियों पर प्रकाश डालने के लिए कहेंगे।

निष्कर्ष : छात्रों ने आनंद भाव से पाठ पढ़ा, लगन और परिश्रम जैसे सद्गुणों से प्रेरित हुए। तथा हॉकी खेल के कुछ नियमों को जाना।

समास के भेदों की जानकारी प्राप्त की। सर्वनाम शब्दों को तथा मुहावरे के अर्थ को जाना।

कक्षा-कार्य निरीक्षण : अध्यापिका/अध्यापक कक्षा में छात्रों को लिखवाए गए प्रश्नों के उत्तर का निरीक्षण करेंगे तथा अशुद्धियों को ठीक कराएँगे।